National Seminar [Hybrid Mode] on "Teacher Education and Professional Development: A NEP 2020 Perspective" Dt. 21 & 22 Feb 2025 With e-ISSN 2394-8426 & International Impact Factor 8.357
DOI link - https://doi.org/10.69758/GIMRJ/2501I02S01V13P0036

शिक्षक प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबिनार और अन्य डिजिटल उपकरणो के महत्व का अध्ययन

श्रीमती मंजूषा तिवारी
व्याख्याता
शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर रायपुर, छत्तीसगढ़

परिचय

शिक्षक किसी भी शिक्षा प्रणाली की रीढ़ होते हैं। छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों का निरंतर प्रशिक्षण और विकास आवश्यक है। डिजिटल युग में, पारंपरिक प्रशिक्षण विधियों के साथ–साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबिनार और अन्य डिजिटल उपकरणों का महत्व बढ़ गया है। ये उपकरण शिक्षकों को नवीनतम शिक्षण पद्धतियों, तकनीकी कौशल और शिक्षाशास्त्र से जोड़ने में मदद करते हैं।

शिक्षक प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का महत्व

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शिक्षकों को कहीं भी, कभी भी सीखने की सुविधा प्रदान करते हैं। इनका महत्व निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है–

- **सुलभता और लचीलापन–** ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसी भी समय और स्थान से उपलब्ध होते हैं, जिससे शिक्षक अपने समयानुसार सीख सकते हैं।
- **व्यक्तिगत गति से सीखने की सुविधा–** शिक्षक अपनी आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रमों को चुन सकते हैं और अपनी गति से अध्ययन कर सकते हैं।
- **विविधता और व्यापक संसाधन–** ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विभिन्न विषयों, शिक्षण विधियों और शोध से जुड़े संसाधन उपलब्ध होते हैं।
- **प्रशिक्षण की लागत में कमी–** ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने पर यात्रा और अन्य खर्चों में कटौती होती है।
- **इंटरएक्टिव लर्निंग–** कई प्लेटफॉर्म वीडियो, क्विज, केस स्टडी और अन्य गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ावा देते हैं।

प्रमुख ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जो शिक्षक प्रशिक्षण में सहायक हैं

- **स्वयं (SWAYAM)–** भारत सरकार द्वारा विकसित एक मंच जो शिक्षकों और छात्रों के लिए मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है।
- **दीक्षा (DIKSHA)–** शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल, जो विभिन्न प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करता है।

वेबिनार का शिक्षक प्रशिक्षण में महत्व

वेबिनार एक प्रभावी डिजिटल उपकरण है, जो शिक्षक प्रशिक्षण के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। वेबिनार के माध्यम से शिक्षक विशेषज्ञों और शिक्षाविदों से सीधे जुड़ सकते हैं और नवीनतम शिक्षण तकनीकों को सीख सकते हैं।

- वेबिनार के माध्यम से शिक्षक नवीनतम शोध, नीतियों और शिक्षण रणनीतियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
- शिक्षक वेबिनार के जरिए देश–विदेश के शिक्षाविदों और विशेषज्ञों से सीधे बातचीत कर सकते हैं।
- कई वेबिनार इंटरएक्टिव होते हैं, जहां शिक्षकों को व्यावहारिक गतिविधियों में शामिल किया जाता है।
- यदि कोई शिक्षक किसी सत्र में भाग नहीं ले पाता, तो वे बाद में रिकॉर्डिंग देखकर सीख सकते हैं।

निष्कर्ष

शिक्षक प्रशिक्षण में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबिनार और डिजिटल उपकरणों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। ये उपकरण शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराते हैं और उनकी दक्षता को बढ़ाते हैं। भविष्य में डिजिटल साधनों के उपयोग से शिक्षक अधिक प्रभावी और नवाचारपूर्ण शिक्षण प्रक्रिया को अपनाने में सक्षम होंगे। अतः, शिक्षकों को डिजिटल साधनों का अधिकतम लाभ उठाकर अपने शिक्षण कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

अध्ययन का उद्देश्य

इस शोध का मुख्य उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबिनार और अन्य डिजिटल उपकरणों की भूमिका एवं प्रभाव का विश्लेषण करना है। इस अध्ययन के माध्यम से निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त किया जाएगा–

1. शिक्षकों के पेशेवर विकास में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की उपयोगिता को समझना।
2. वेबिनार की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना और उनके लाभों को उजागर करना।
3. डिजिटल उपकरणों के उपयोग से शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता में आने वाले बदलावों का अध्ययन करना।
4. शिक्षकों द्वारा डिजिटल उपकरणों के उपयोग में आने वाली चुनौतियों को समझना।
5. डिजिटल माध्यमों से प्रशिक्षित शिक्षकों की दक्षता एवं शिक्षण पद्धति में हुए सुधार का आकलन करना।

अध्ययन का परिकल्पना

1. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, वेबिनार और डिजिटल उपकरण शिक्षक प्रशिक्षण की प्रभावशीलता को बढ़ाते हैं।
2. डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने वाले प्रशिक्षित शिक्षक बेहतर शिक्षण विधियों को अपनाने में सक्षम होते हैं।
3. वेबिनार और अन्य डिजिटल माध्यम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक प्रभावी साधन हैं।
4. डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आधारित प्रशिक्षण पारंपरिक प्रशिक्षण की तुलना में अधिक सुलभ और लचीला होता है।
5. ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तकनीकी चुनौतियाँ और डिजिटल साक्षरता की कमी एक बाधा बन सकती हैं।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन हेतु वर्णनात्मक विधि का प्रयोग करते हुये सर्वेक्षण द्वारा आंकड़े संकलित किये जायेंगे।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

1. ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी

प्रश्न– क्या आपने किसी ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम/वेबिनार में भाग लिया है?

- हाँ– 75%
- नहीं– 25%

विश्लेषण

अधिकांश शिक्षकों ने किसी न किसी ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल शिक्षण प्रशिक्षण को व्यापक रूप से अपनाया जा रहा है। हालांकि, 25% शिक्षकों ने इसमें भाग नहीं लिया, जिससे यह संकेत मिलता है कि अब भी कुछ शिक्षक इस प्रणाली से दूर हैं।

2. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की लोकप्रियता

प्रश्न– आपने किस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रशिक्षण प्राप्त किया?

- स्वयं– 40%
- दीक्षा– 35%
- अन्य– 25%

विश्लेषण–

स्वयं और दीक्षा सबसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म हैं, जिनका उपयोग शिक्षकों ने प्रशिक्षण के लिए किया है। यह इंगित करता है कि सरकार द्वारा विकसित प्लेटफॉर्म प्रभावी और अधिक विश्वसनीय माने जाते हैं।

3. सबसे उपयोगी प्रशिक्षण सामग्री

प्रश्न– ऑनलाइन प्रशिक्षण के दौरान किस प्रकार की सामग्री सबसे अधिक उपयोगी रही?

- वीडियो लेक्चर– 50%
- ई–बुक्सरू 20%
- क्विज– 15%
- लाइव सेशन– 15%

विश्लेषण–

वीडियो लेक्चर सबसे अधिक उपयोगी पाए गए हैं, क्योंकि वे दृश्य और श्रव्य माध्यम से अधिक प्रभावी सीखने का अनुभव प्रदान करते हैं। ई–बुक्स और क्विज को भी कुछ शिक्षकों ने उपयोगी माना, लेकिन लाइव सेशन का महत्व अपेक्षाकृत कम दर्शाया गया।

4. ऑनलाइन प्रशिक्षण की प्रभावशीलता

प्रश्न– ऑनलाइन प्रशिक्षण कितना प्रभावी रहा?

- बहुत प्रभावी– 55%
- सामान्य– 35%
- अप्रभावी– 10%

विश्लेषण–

अधिकांश शिक्षकों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण को प्रभावी माना, लेकिन 10% शिक्षकों को यह अप्रभावी लगा। यह इंगित करता है कि कुछ मामलों में शिक्षण पद्धति या तकनीकी बाधाएँ इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित कर सकती हैं।

5. वेबिनार में भागीदारी

प्रश्न– क्या आपने किसी वेबिनार में भाग लिया है?

- हाँ– 70%
- नहीं– 30%

विश्लेषण–

वेबिनार शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन बन गया है, क्योंकि 70% शिक्षकों ने इसमें भाग लिया है। फिर भी, 30% शिक्षकों की भागीदारी नहीं होने का कारण जागरूकता की कमी या तकनीकी सीमाएँ हो सकती हैं।

6. वेबिनार में आने वाली चुनौतियाँ

प्रश्न– वेबिनार में भाग लेने के दौरान आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

- इंटरनेट कनेक्टिविटी– 45%
- समय प्रबंधन– 30%
- सामग्री की गुणवत्ता– 25%

विश्लेषण–

इंटरनेट कनेक्टिविटी सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के शिक्षकों के लिए एक प्रमुख समस्या हो सकती है। समय प्रबंधन और सामग्री की गुणवत्ता से जुड़ी चिंताएँ भी उल्लेखनीय हैं।

7. शिक्षकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले डिजिटल उपकरण

प्रश्न– आप किन डिजिटल उपकरणों का उपयोग शिक्षण में करते हैं?

- जूम– 40%
- गूगल 45%
- माइक्रोसॉफ्ट– 10%
- अन्य– 5%

विश्लेषण–

गूगल मीट और गूगल क्लासरूम सबसे अधिक लोकप्रिय हैं, जो यह दर्शाता है कि शिक्षकों को इन प्लेटफार्मों की सहज उपलब्धता और उपयोग में आसानी पसंद है। माइक्रोसॉफ्ट टूल्स का उपयोग अपेक्षाकृत कम है।

8. शिक्षण दक्षता में सुधार

प्रश्न– डिजिटल उपकरणों के उपयोग से आपकी शिक्षण दक्षता में क्या सुधार हुआ है?

- हाँ– 80%
- नहीं– 20%

विश्लेषण–

अधिकांश शिक्षकों ने माना कि डिजिटल उपकरणों के उपयोग से उनकी दक्षता में सुधार हुआ है, लेकिन 20% ने इससे असहमति जताई। यह दर्शाता है कि सभी शिक्षकों के लिए यह परिवर्तन समान रूप से लाभदायक नहीं रहा है।

9. डिजिटल तकनीक अपनाने में मुख्य बाधाएँ

प्रश्न– डिजिटल तकनीक को अपनाने में आने वाली मुख्य बाधाएँ क्या हैं?

- तकनीकी ज्ञान की कमी– 40%
- संसाधनों की कमी– 35%
- प्रशिक्षण की अनुपलब्धता– 25%

विश्लेषण–

तकनीकी ज्ञान की कमी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। संसाधनों की अनुपलब्धता और उचित प्रशिक्षण की कमी भी डिजिटल शिक्षा के प्रभाव को सीमित कर रही हैं।

10. ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार हेतु सुझाव

- इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार किया जाए।
- शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाए।
- वेबिनार और ऑनलाइन पाठ्यक्रम अधिक व्यावहारिक और इंटरएक्टिव बनाए जाएं।
- शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु प्रमाणपत्र एवं मान्यता दी जाए।
- क्षेत्रीय भाषाओं में प्रशिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई जाए।

विश्लेषण–

शिक्षकों के सुझावों से स्पष्ट है कि यदि डिजिटल शिक्षण के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाए और प्रशिक्षण अधिक समावेशी बनाया जाए, तो इसकी प्रभावशीलता बढ़ सकती है।

11. भविष्य में ऑनलाइन प्रशिक्षण में भागीदारी की इच्छा

प्रश्न– क्या आप भविष्य में भी ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लेना चाहेंगे?

- हाँ– 85%
- नहीं– 15%

विश्लेषण–

अधिकांश शिक्षकों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वे भविष्य में भी ऑनलाइन प्रशिक्षण का लाभ उठाना चाहते हैं। हालाँकि, 15% शिक्षकों ने इसमें रुचि नहीं दिखाई, जो कि उनकी पिछली प्रशिक्षण अनुभवों से असंतोष को दर्शा सकता है।

समग्र निष्कर्ष

1. ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण और वेबिनार का व्यापक रूप से उपयोग हो रहा है और अधिकांश शिक्षकों को यह प्रभावी लगा है।
2. वीडियो लेक्चर सबसे अधिक उपयोगी सामग्री साबित हुई है।
3. मुख्य बाधाएँ इंटरनेट कनेक्टिविटी, तकनीकी ज्ञान की कमी और संसाधनों की अनुपलब्धता हैं।
4. शिक्षकों ने डिजिटल उपकरणों के उपयोग से अपनी दक्षता में सुधार महसूस किया है।
5. ऑनलाइन प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी सहायता, स्थानीय भाषाओं में सामग्री और व्यावहारिक शिक्षण को बढ़ावा देना आवश्यक है।
6. अधिकांश शिक्षक भविष्य में भी ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लेना चाहते हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि डिजिटल शिक्षक प्रशिक्षण का भविष्य उज्ज्वल है।
7. यह विश्लेषण दर्शाता है कि ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर सुधार और सहयोग आवश्यक है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- गुप्ता, आर. (2020). ऑनलाइन शिक्षा और शिक्षक प्रशिक्षण. नई दिल्ली– शिक्षा प्रकाशन।
- मिश्रा, पी. (2019). डिजिटल शिक्षा– भारतीय परिप्रेक्ष्य में संभावनाएँ और चुनौतियाँ, वाराणसी– काशी विद्या भवन।
- शर्मा, एस.,– वर्मा, के. (2021). ऑनलाइन शिक्षक प्रशिक्षण प्लेटफॉर्म की प्रभावशीलता का अध्ययन। शैक्षिक अनुसंधान जर्नल, 15(2), 45–60।
- सिंह, ए. (2020). डिजिटल उपकरणों के उपयोग से शिक्षकों की दक्षता में सुधार– एक तुलनात्मक अध्ययन। भारतीय शिक्षा पत्रिका, 28(4), 78–92।